विभाग के
इसके चड्ढा और
के संयोजन में
वेबिनार हुआ।
सिंह के संरक्षण
त महोत्सव के
में प्रो.सुदर्शन वर्मा
ों ने अपने विचार

ियोगिता

हब भीमराव
श्वविद्यालय,
भारत श्रेष्ठ
विधता में
ऑनलाइन गायन
छुक विद्यार्थियों
ाषा में चार
भेज सकते
तिथि सात
कारी के
वेबसाइट
देखी जा

सपेरों
र
ता के
क्त
ियल
कुमार
के
ओर से

र व्यापार
ांत
भारतीय
सतीश

उन्होंने बताया कि इस घटना ने अंग्रेजों के अंदर इस भाव को भी प्रतिस्थापित करने का काम किया कि भारत के दूरदराज के गांवों के लोग भी स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए लालायित हैं। संग्रहालय के निदेशक डा. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि चौरी-चौरा जैसे जन आंदोलन को घटना कहना उचित नहीं है। इस मौके पर राज्य संग्रहालय के पूर्व सहायक निदेशक डा. आइपी पांडेय सहित कई लोग मौजूद रहे। संचालन रेनू द्विवेदी ने किया।

उधर, नारी शिक्षा निकेतन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्राओं को देश सेवा को तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य वक्ता डा. अनीता गोस्वामी ने छात्राओं को चौरी-चौरा जन आंदोलन के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. वंदना संत एवं एसोसिएट प्रो. डा. आयशा फातमी ने किया। वहीं, करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स पीजी कालेज में प्रबंधक सैय्यद नावेद अहमद के संरक्षण और प्राचार्या सहेर हुसैन की अध्यक्षता में वंदेमातरम समूह गान, स्वरचित कविता, स्लोगन, निबंध, रंगोली, पेंटिंग, वाद-विवाद आदि अनेक प्रतियोगिताएं हुईं।

अयोध्या शोध संस्थान व भारतेंदु
नृत्य नाटिका सारे जहां से अच्छ

नवयुग कन्या महावि
किया गया। इसमें वि
पंत, प्राचार्य प्रो. मं
के विषय पर विचा